D.Ed

F4, Unit - 3(a)

* कक्षा-कक्ष शिक्षण की प्रकृति :-
परम्परागत, बालकेन्द्रित, लोकतांत्रिक, सृजनात्मक आदि.

* परिचय :-
विद्यालय में कक्षा-कक्ष का एक विशेष मुख्य स्थान होता है, जहाँ पर छात्रों को अध्यापक द्वारा शिक्षित करने का कार्य औपचारिक तथा अधिकृत रूप से किया जाता है।
किसी भी विद्यालय में छात्र का अधिकांश समय कक्षा-कक्ष के भीतर ही बीतता है, जिसके कारण कक्षा-कक्ष के स्वरूप तथा वातावरण पर छात्रों की शिक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है।
एक सुव्यवस्थित कक्षा-कक्ष हेतु शिक्षक का अपने विषय में पूर्ण ज्ञान, कक्षा में पढ़ाने से पूर्व तैयारियाँ, कक्षा के दौरान पाठ का प्रस्तुतीकरण एवं उस दौरान कक्षा का उत्तम प्रबन्धन सभी महत्वपूर्ण है।
बालक के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षकों को केवल कक्षा-कक्ष की शैक्षिक प्रक्रियाओं तक ही सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि छात्रों, शिक्षार्थियों को विभिन्न प्रकार पाठ्य सहगामी क्रियाओं में शामिल कर बेहतर वातावरण का निर्माण करना चाहिए।
इसके लिए शिक्षक को कक्षा-कक्ष के वातावरण तथा प्रक्रियाओं के प्रति समग्र दृष्टिकोण रखने की आवश्यकता है।

Scanned with CamScanner